चीन, जापान द्वारा सैन्य हॉटलाइन की स्थापना

प्रलिम्सि के लयिे:

सेनकाकू द्वीप, दयिाओयू द्वीप, पूर्वी चीन सागर

मेन्स के लयिे:

क्षेत्रीय ववादों का भू-राजनीतपिर प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन और जापान ने ववादति द्वीपों (सेनकाकू द्वीप) पर समुद्री, हवाई घटनाओं का प्रबंधन करने के लयिे सैन्य हॉटलाइन (वशिष्टि उद्देश्य के लयिे स्थापति एक प्रत्यक्ष फोनलाइन) स्थापति की है।

- जापान के नयिंत्रण वाले पूर्वी चीन सागर के नर्जिन द्वीपों पर **चीन और जापान के बीच लंबे समय से ववाद है** और इन पर चीन द्वारा दावा कयिा जाता है।

हॉटलाइन की स्थापना का कारण:

- यह कदम ववादति जल क्षेत्र में इन देशों की आक्रामक गश्त के कारण उत्पन्न होने वाली घटनाओं के प्रबंधन और नयिंत्रण हेतु उठाया गया था।
- यह हॉटलाइन चीन और जापान के रक्षा वभिागों के बीच संचार को समृद्ध करने के साथ समुद्री और हवाई संकटों के प्रबंधन और नयिंत्रण के लयिे दोनों पक्षों की क्षमताओं को मज़बूत करेगी और क्षेत्रीय शांतएिवं स्थरिता बनाए रखने में मदद करेगी।

सेनकाकू द्वीप ववाद:

- **परचिय:**
    - सेनकाकू द्वीप ववाद आठ नर्जिन द्वीपों संबंधी एक क्षेत्रीय ववाद है, इस द्वीपसमूह को **जापान में सेनकाकू** द्वीपसमूह, **चीन में दयिाओयू द्वीपसमूह** और **हॉन्गकॉन्ग में तयिायुतई द्वीपसमूह** के नाम से जाना जाता है।
    - जापान और चीन दोनों इन द्वीपों पर स्वामत्वि का दावा करते हैं।
- **अवस्थति:**
    - ये आठ नर्जिन द्वीप **पूर्वी चीन सागर** में स्थति हैं। इनका **कुल क्षेत्रफल लगभग 7 वर्ग कलिोमीटर** है और ये ताइवान के उत्तर-पूर्व में स्थति हैं।

//

- **सामरकि महत्त्व:**
  - ये द्वीप **रणनीतकि रूप से महत्त्वपूर्ण शपिगि लेन के करीब** हैं जो **समृद्ध मत्स्यन का अवसर प्रदान करते हैं** और माना जाता है कि इसमें समृद्ध **तेल भंडार** हैं।
- **जापान का दावा:**
  - द्वतिीय वशि्व युद्ध के बाद, **जापान ने सैन फ्रांससि्को की संधि, 1951** के तहत **ताइवान सहति कई क्षेत्रों एवं द्वीपों पर अपना दावा छोड़ दयि** था।
  - लेकनि संधि के तहत नानसी शोटो द्वीप संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रस्टीशपि के अधीन आ गए और फरि वर्ष 1971 में जापान को वापस कर दयि गए।
  - जापान का कहना है कि सेनकाकू द्वीप नानसी शोटो द्वीप समूह का हिस्सा है और इसलिये उस पर भी जापान का अधिकार है।
  - इसके अलावा **चीन ने सैन फ्रांससि्को संधि पर कोई आपत्ति नहीं जताई।**
  - केवल **1970 के दशक के बाद से,** जब क्षेत्र में **तेल संसाधनों का मुद्दा उभरा, चीनी और ताइवान के अधिकारियों** ने अपने दावों पर ज़ोर देना शुरू कर दिया।
- **चीन का दावा:**
  - ये द्वीप प्राचीन काल से इसके क्षेत्र का हिस्सा रहे हैं जो ताइवान प्रांत द्वारा प्रशासित महत्त्वपूर्ण मत्स्यन मैदान के रूप में कार्य करते हैं।

- जब **सैन फ्रांसिस्को की संधि** में ताइवान को वापस कर दिया गया था तो चीन ने कहा था कि इसके हिस्से के रूप में द्वीपों को भी वापस कर दिया जाना चाहिये था।
- **ताइवान का दावा:**
  - ताइवान इन द्वीपों पर दावा करता है, लेकिन किसी भी संघर्ष से बचने के लिये जापान के साथ समझौते किये हैं क्योंकि जापान एवं ताइवान के बीच घनिष्ठ रक्षा संबंध है।
  - वर्तमान विवाद के बावजूद, जापान एवं ताइवान के मध्य घनिष्ठ रक्षा संबंध बने हुए हैं।

अन्य हालिया द्वीप विवाद:

- कुरील द्वीप: उत्तरी प्रशांत महासागर में स्थित है।
  - रूस और जापान के बीच विवाद है।
- चागोस द्वीपसमूह: उत्तरी हिंद महासागर में स्थित है।
  - ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच विवाद है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????? :

Q.निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित सेनकाकू द्वीप विवाद को सर्वोत्तम रूप से प्रतिबिंबित करता है?

(a) आमतौर पर यह माना जाता है कि वे दक्षिणी चीन सागर के आसपास किसी देश द्वारा निर्मित कृत्रिम द्वीप हैं।
(b) चीन और जापान के बीच पूर्वी चीन सागर में इन द्वीपों के विषय में समुद्री विवाद होता रहता है।
(c) वहाँ ताइवान को अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के लिये एक स्थायी अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थापित किया गया है।
(d) यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने इन्हें 'नो मैन्स लैंड' घोषित किया है, तथापि कुछ दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश उन पर दावा करते हैं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सेनकाकू द्वीप कृत्रिम द्वीप नहीं बल्कि एक प्राकृतिक द्वीप है। यह आठ निर्जन द्वीपों का समूह है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सेनकाकू द्वीप विवाद चीन और जापान के बीच ज्ञात निर्जन द्वीपों के एक समूह पर क्षेत्रीय विवाद से संबंधित है। जापान और चीन दोनों ही इन द्वीपों के स्वामित्व का दावा करते हैं। सेनकाकू द्वीप पूर्वी चीन सागर में स्थित है। **अत: कथन 2 सही है।**
- अमेरिका ने सेनकाकू द्वीप पर स्थायी सैन्य ठिकाने स्थापित नहीं किये, लेकिन अमेरिका और जापान सैन्य बलों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास किया गया है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने सेनकाकू द्वीप के संबंध में 'नो मैन्स लैंड' जैसा कोई फैसला नहीं दिया है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china,-japan-set-up-military-hotline